महत्वपूर्ण एवं खास

नगर निगम के पास मधुमक्खियों का हमला, अपने आप को बचाने लोग भागने लगे, बुजुर्ग महिला हुई घायल

धमतरी (आरएनएस)। नगर निगम के पास मधुमक्खियों ने आचनक हमला बोल दिया। इस घटना में एक महिला बुरी तरह से जख्मी हो गई जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम में ऑफिस टाइम होते ही लोगों का आना जाना चालू हो गया था।इसी दौरान निगम के बाजू पानी टंकी के पास मधुमक्खी के छत्ते को किसी अज्ञात ने छेड़ दिया। फिर मधुमक्खियों ने हमला शुरू कर दिया।जैसे ही नगर निगम में मधुमक्खियां झमने और घुसने लगे,लोग तरबतर हो गए और इधर उधर भागने लगे। लोग अपने जान बचाने में लगे हुए थे। लोग नगर निगम के मेन गेट को बंद कर अपने आप को सुरक्षित किया। इसी बीच वहीं अपने निजी से निगम पहुंची रामसागर पारा वार्ड की कुमारी बाई यादव 58 वर्ष को मधुमक्खियों ने घेर लिया और डंक मार के बुरी तरह से जख्मी कर दिया।जैसे तैसे लोगों ने महिला को नगर निगम में लगे पर्दे को निकालकर उसे बचाया।तात्काल महिला के शरीर पर डंक छोड़ चुके थे।महिला को 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल इलाज हेतु भेजा गया।नगर निगम के मेन गेट को बंद कर दिया गया है,निगम में पीछे के दरवाजे से आना-जाना चल रहा है।

दोस्त से मारपीट हो गए थे फिर से हो गई दोस्ती लोक अदालत नगरी न्यायालय ने करवाया मामला का समझौता हाथ मिला के फिर से बन गए दोस्त

नगरी (आरएनएस)। आज लोक अदालत के मौके पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन पर जिला विधिक सेवा के मार्गदर्शन पर नगरी लोक अदालत नगरी के न्यायाधीश भावेश कुमार वट्टी के समझाइश के संतुष्ट हो कर सौरभ सोम ने अपने दोस्त राहुल मरकाम और दिवस नेताम से हाथ मिला कर उन्हे माफ कर दिया, घटना दिनाक ,14/01/2022का था, सांकरा कोरमुड़ पारा में आपसी मारपीट एवम गालीगलौच एवम जान से मारने की धमकी सौरभ सोम को उनके 2दोस्त राहुल एवम दिवस ने दिया, जिसका प्रकरण सिहावा थाना के द्वारा दर्ज किया गया जिसका चालान नगरी न्यायालय में पेश किया गया था जिसे आज नगरी न्यायालय में खंडपीठ में न्यायधीश भावेश कुमार एवम सद्स्य अधिवक्ता फाखख लोहनी एवम अधिवक्ता अभिषेक जैन के द्वारा समझाने पर राजीनाम हो गए और वे कोर्ट परिसर से फिर एक साथ दोस्त बन कर निकले, आज नगरी न्यायालय में लोक अदालत में विभिन्न मामलो को सुलझाया गया है एवम ह्याइड्रइलेक्ट्रिक प्रकरणों में अर्थदंड एवम बैंक बिजली एवम टेलीफोन विभाग से विभिन्न मामलो में जुर्माना वसूल कर मामला का निराकरण किया गया, जिसमे कोर्ट के समस्त स्टाफ, अधिवक्ता गण एवम सभी बैंक,संचारविभाग, और बिजली विभाग का भरपूर सहयोग रहा, उपरोक्त जानकारी अधिवक्ता अभिषेक जैन ने प्रदान की।

सिरफिरे युवक ने युवती को गोली मारकर की खुद आत्महत्या, युवती घायल

सूरजपुर (आरएनएस)। प्रेमनगर इलाके के गांधीनगर क्षेत्र में स्थित कॉलेज में एक सिरफिरे आशिक ने सहेलियों के साथ खड़ी एक युवती को गोली मार दी, जिससे युवती घायल हो गई है। युवती को अंबिकापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवती को शूट करने के बाद युवक ने खुद के कनपटी पर बंदूक रखकर ट्रिगर दबा दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई है। कॉलेज में ग्राम केदारपुर की एक युवती पढ़ती है। जिससे मिलने केदारपुर गांव का ही युवक संजय भगत आया था। जो अपने हाथ में पिस्तौल रखा हुआ था। युवक जब कॉलेज के पास पहुंचा तो युवती अपनी सहेलियों के साथ खड़ी होकर बातचीत कर रही थी। तभी युवक ने युवती के सहेलियों को बोला कि वह दूर हट जाए, उसे बात करनी है। जब युवती के सहेली उसे दूर हट गए, तो अचानक उसने पिस्तौल निकाला और गोली दाग दी, फिर खुद भी कनपटी पर गोली मार लिया। जिसे देखते हुए लोगों के द्वारा यह आशंका जताई जा रही कि इसके पीछे एक तरफा प्यार का मामला हो सकता है।

चिरायु योजना में अब तक 7440 बच्चों का हुआ इलाज

- योजना के तहत शून्य से 18 वर्ष तक के बच्चों में 44 तरह की बीमारियों की नि:शुल्क जांच एवं उपचार
- बाल स्वास्थ्य की देखभाल के लिए प्रदेश भर में 328 'चिरायु' दल कार्यरत

रायपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 'चिरायु' योजना में चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में अब तक राज्य में 7440 बच्चों का इलाज किया गया है। 'चिरायु' योजना के तहत शून्य से 18 वर्ष तक के बच्चों की जांच कर जरूरतमंद बच्चों को नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाता है। बाल स्वास्थ्य की देखभाल के लिए प्रदेश भर में 328 'चिरायु' दल कार्यरत हैं। ये प्रदेश भर के स्कूलों और आंगनबाड़ियों में जाकर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कर उनकी शारीरिक कमियों व रोगों की पहचान कर नि:शुल्क इलाज की व्यवस्था करते हैं।

प्रदेश में वर्ष 2014 से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित है। इसका उद्देश्य शून्य से 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों में 4-डी यानि डिफेक्ट एट बर्थ, डिसीज, डिफिसिएन्सी एंड डेवलपमेन्ट डिलेस इनक्लुडिंग डिसएबिलिटी की जांच कर शीघ्र उपचार उपलब्ध कराना है। इसके तहत बच्चों में 44 प्रकार की बीमारियों की पहचान व जाँच कर उपचार किया जाता है। जरुरत पड़ने पर उच्च संस्थाओं में रिफर भी किया जाता है। प्रदेश में यह कार्यक्रम 'चिरायु' नाम से लोकप्रिय है।

चिरायु' कार्यक्रम के अंतर्गत जन्म से 6 सप्ताह की आयु के नवजात शिशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण डिलीवरी प्वाइंट के स्टॉफ द्वारा, 6 सप्ताह से 6 वर्ष की आयु के बच्चों का आंगनबाड़ी केन्द्रों में और 6 वर्ष से 18 वर्ष की आयु के बच्चों का शासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों में 'चिरायु' दलों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। जरूरत पड़ने पर उच्चस्तरीय जाँच व उपचार के लिए बड़े अस्पतालों में रिफर भी किया जाता है।

चिरायु' में 44 तरह की बीमारियों का नि:शुल्क उपचार

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. वी.आर. भगत ने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक विकासखण्ड में दो-दो 'चिरायु' दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक दल में दो आयुष चिकित्सक (एक महिला व एक पुरूष), एक फार्मासिस्ट, एक लैब टेक्नीशियन और एक ए.एन.एम. शामिल हैं। अभी प्रदेश भर में 328 'चिरायु' दल कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के तहत 44 प्रकार की बीमारियों को चार समूह में बांटा गया है। समूह ए में ऐसी बीमारियों को शामिल किया गया है जिनके उपचार के लिए अति विशिष्ट या विशेषज्ञ सेवाओं की आवश्यकता होती है। समूह बी में ऐसी बीमारियां शामिल हैं जिनका उपचार जिला चिकित्सालय या सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में किया जा सकता है। समूह सी में ऐसी बीमारियां हैं जिनका उपचार दवाई वितरित कर किया जा सकता है। समूह डी में वे बीमारियां शामिल हैं जिन्हें चिकित्सकीय उपचार के स्थान पर अन्य सलाह एवं पुर्नवास की आवश्यकता होती है।

समूह ए के अंतर्गत आने वाली बीमारियों के उपचार के लिए राज्य नोडल एजेंसी को अधिकृत किया गया है। गंभीर बीमारियों का इलाज शासकीय अस्पतालों में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से किया जाता है। शासकीय अस्पतालों में इलाज न होने की दशा में निजी पंजीकृत चिकित्सालयों में उपचार किया जाता है। सभी समूहों में इलाज नि:शुल्क किया जाता है। चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में राज्य में 'चिरायु' कार्यक्रम के माध्यम से समूह ए में 579 बच्चों, समूह बी में 4891 बच्चों, समूह सी में 1451 बच्चों तथा समूह डी में 519 बच्चों का उपचार किया गया है। बच्चों को चिन्हांकित कर इलाज उपलब्ध कराने का क्रम सालभर लगातार चलते रहता है।

होली और शब-ए-बारात पर्व शांतिपूर्वक मनाने शांति समिति की बैठक सम्पन्न

- रात 10 बजे तक होलिका दहन किया जाएगा
- कलेक्टर रानू साहू ने सौहाद्रपूर्ण तरीके से त्यौहार मनाने की अपील

कोरबा। कलेक्टर रानू साहू ने होली पर्व और शब-ए-बारात पर्व को आपसी भाई चारे और सौहाद्रपूर्ण तरीके से मनाने के लिए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक ली। शांति समिति के सदस्यों ने 17 मार्च को होलिका दहन और 18 मार्च को होली त्यौहार और शब-ए-बारात पर्व को मिल जुल कर और सदभाव के साथ मनाने का निश्चय किया। 17 मार्च को रात 10 बजे तक होलिका दहन पूर्ण कर लिया जाएगा। 18 मार्च को होली के साथ शब-ए-बारात

पर्व भी है। शब-ए-बारात पर्व मुस्लिम समाज द्वारा अपने पूर्वजों को श्रद्धांजली देने का पर्व है। इस दौरान आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर साहू ने कहा कि यह सभी पर्व आपसी भाई चारे का है। उन्होंने सभी सम्प्रदाय से त्यौहार को शांति पूर्वक मनाकर आपस में खुशियां बांटने की अपील की। उन्होंने इन सभी पर्वो को शांतिपूर्वक और सुरक्षित रूप से मनाने के लिए जिले वासियों से सहयोग की भी अपेक्षा की है। इस बैठक में समाज प्रमुख, गणमान्य नागरिक और अधिकारीगण शामिल हुए। बैठक में पुलिस कप्तान भोजराम पटेल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, संयुक्त कलेक्टर विजेंद्र पाटले, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पांडे, सहित छत्तीसगढ़ माइनॉरिटी कमिटी के जनरल सेक्रेटरी रवि पी. सिंह, कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद, केसीडब्ल्यूकेएस के अध्यक्ष राजेश जोसेफ, सुखदीप सिंह, सुन्नी मुस्लिम जमात के आसिफ खान, अंतराष्ट्रीय मानव अधिकार समिति कोरबा के अध्यक्ष विक्टर मेनन, मोहम्मद रफीक मेमन कार्यकारी अध्यक्ष सुन्नी मुस्लिम जमात, मोहम्मद शहीद अध्यक्ष कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग, मोहम्मद मकबूल खान सरपरस्त जिला सुन्नी मुस्लिम जमात, पास्टर सीमा गोस्वामी अध्यक्ष मसीही महिला सभा, मोहम्मद न्याज नूर आरबी अध्यक्ष नागरिक संघर्ष समिति, सौनेल अहमद अध्यक्ष यूथ मुस्लिम कोरबा सहित शांति समिति के अन्य सदस्य और डिस्ट्रीक्ट कमांडेंट पी. बी. सिदार भी मौजूद रहे।

बैठक में बताया गया कि 17 मार्च को होलिका दहन खुले स्थानो पर ही किया जा सकेगा। बिजली के ट्रांसफार्मरों और तारों के नीचे होलिका दहन नहीं किया जा सकेगा। शांति समिति की बैठक में कलेक्टर साहू ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस विभाग को लगातार पैट्रोलिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिन्हांकित स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था करने को कहा।

स्टार्टअप इंडिया के माध्यम से अपने बिजनेस आइडियाज को इनक्यूवेशन के माध्यम से दे सकते हैं बढ़ावा

- उद्यमिता को बढ़ावा देने उद्योग विभाग का एक दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

दुर्ग (आरएनएस)। राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने किया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने विस्तार से जानकारी दी कि किस तरह स्टार्टअप को और नवाचार को इनक्यूबेशन के माध्यम से बढ़ावा दिया जा सकता है। प्रतिभागियों ने बताया कि युवाओं के मन में नवाचार बहुत से होते हैं लेकिन पूंजी और सटीक तरीके से नवाचार को मूर्त रूप देने की योजना के अभाव में वे इस ओर नहीं बढ़ सकते। कार्यक्रम में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सरोजनी पाणिग्रही , जिला प्रमुख लघु उद्योग भारती ने बताया कि किस प्रकार युवाओं और महिलाओं के लिए नई संभावना इस क्षेत्र में है और उन्हें प्रेरित करने किस तरह से कार्य किये जा रहे हैं। संयुक्त संचालक एमएसएमई राजीव एस ने कहा कि स्टार्टअप के आइडियाज को किस तरह से बेहतर किया जा सकता है उसके लिए उद्योग विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं ताकि विशेषज्ञता के लाभ से इस क्षेत्र में तरक्की की जा सके। उपसंचालक लोकेश परगनिहा ने कुछ उद्यमियों के नवाचार साझा किये और बताया कि किस तरह उन्होंने अपने उद्यम को तकनीकी विशेषज्ञता और उद्योग विभाग की सलाह लेकर बेहतरीन तरीके से संचालित किया।

कुदरगढ़ मेले में श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

सूरजपुर (आरएनएस)। मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ चैत्र नवरात्र मेला व्यवस्था की तैयारी के संबंध में अध्यक्ष लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ एवं कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के निर्देश में जिला पंचायत सीईओ राहुल देव के द्वारा आज समुदायिक भवन कुदरगढ़ में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक भटगांव क्षेत्र पारसनाथ राजवाड़े, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक, एस.डी.एम. भैयाथान, महिला विकास अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस विभाग के एसडीओपी, ट्रस्ट के अध्यक्ष, सदस्यगण, जनप्रतिनिधि, विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान माथे पर तिलक लगाकर एवं देवी माँ की पट्टी पहनाकर किया गया। बैठक में आगामी चैत्र नवरात्र में मेला संचालन के हेतु बैठक का एजेन्डा उपस्थित सदस्यों के बीच रखा गया जिस पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए बिन्दुवार चर्चा करते हुए क्रियान्वयन के संबंध में निर्णय लिया गया। बैठक में विधायक पारसनाथ राजवाड़े ने कुदरगढ़ चैत्र नवरात्र मेला में श्रद्धालुओं को पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी व समन्वय के साथ मेले की तैयारी व्यवस्थित तरीके से करने पर जोर दिया। उन्होंने कमियों को तत्काल दूर कर ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो। जिला पंचायत सीईओ राहुल देव ने कहा कि चैत्र नवरात्र मेला को सफल करने के लिए सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। बेहतर व्यवस्था श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में बिन्दुवार चर्चा करते मेला अवधि, बिजली व्यवस्था ,लाइट व्यवस्था, सोलर लाइट की व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, शौचालय की बेहतर सुविधा, पानी व्यवस्था, ज्योति कलश की व्यवस्था सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

एनएच 130 में ट्रक व कार की टक्कर से तीन लोगों की मौत

कोरबा। अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे संख्या 130बी पर आज सुबह ट्रक और कार की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। ये सभी पर्यटन विभाग में कांट्रेक्टर थे। इनमें से एक ने मौके पर दम तोड़ दिया जबकि 2 की सांसे अस्पताल पहुंचने पर उखड़ गई। बांगो पुलिस ने दुर्घटना के बाद यहां का जायजा लिया। दोनों वाहनों को जप्त कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय कोरबा से 60 किलोमीटर दूर लमना के पास यह हादसा शनिवार को सुबह 4.30 बजे के आसपास हुआ। बांगो पुलिस थाना प्रभारी राजेश पटेल ने बताया कि

कार संख्या सीजी 04 एम डी 9531 पर सवार होकर रायपुर जिले के तीन लोग अंबिकापुर जिले के टूरिस्ट पैलेस मैनपाट में आयोजित समारोह देखने के लिए जा रहे थे। अंबिकापुर की तरफ से आ रहे भारी वाहन के साथ इनकी कार की टक्कर बांगो क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर हो गई। ट्रक के साथ हुई टक्कर में कार सवार पंकज झा की मौके पर ही मौत हो गई। इनके साथ मौजूद बुद्धि नाथ सिंह और रमेश कुमार सिंह को गंभीर चोटें आई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर बांगो पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और अपने वाहन के जरिए पीड़ितों को अस्पताल भिजवाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोड़ी उपरोड़ा में उपचार के दौरान इनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक अन्य पीड़ित की स्थिति को गंभीर पाते हुए उसे तुरंत जिला अस्पताल कोरबा के लिए रेफर किया गया लेकिन उसे भी नहीं बचाया जा सका। इस तरह कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना के पीछे मुख्य कारण क्या रहा होगा इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने इस मामले में 174 सीआरपीसी के अंतर्गत मर्ग कायम किया है और मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। दुर्घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को रायपुर में दे दी गई है और उनके यहां पहुंचने की प्रतीक्षा की जा रही है।

एसईसीएल में अनुकंपा नियुक्ति : किसान सभा ने दी आंदोलन की चेतावनी

कोरबा। छत्तीसगढ़ किसान सभा ने आरोप लगाया है कि पूरे एसईसीएल में अनुकंपा नियुक्ति के लगभग 400 प्रकरण लंबित है और उन्हें नौकरी देने में जानबूझकर देरी की जा रही है। पीड़ितों में अधिकांश आदिवासी और महिलाएं हैं, जिनसे शीघ्र नौकरी देने के एवज में पैसों की मांग की जाती है।

इसी तरह के एक प्रकरण में चंद्रिका बाई कंवर नाम की एक आदिवासी महिला ने किसान सभा नेताओं जवाहर सिंह कंवर, जय कौशिक, बृजपाल, सहोरीक लाल, संजय यादव के साथ जाकर एसईसीएल के गेवरा क्षेत्र के महाप्रबंधक को ज्ञापन

सौंपकर शीघ्र अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग की है, जिनकी कृषि भूमि गेवरा खदान विस्तार में अधिग्रहित होने के बाद उनके पति बेचू सिंह को नौकरी दी गई थी। ग्राम अमगांव, हरदीबाजार निवासी इस आदिवासी महिला के पति की दो वर्ष पूर्व सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। उसके बाद से यह महिला अनुकंपा नियुक्ति के लिए भटक रही है, जबकि नियमानुसार उसने सभी आवश्यक दस्तावेज अपने आवेदन के साथ एसईसीएल को दे दिए हैं।

अपने ज्ञापन में इस आदिवासी महिला ने 21 मार्च से अपने छोटे-छोटे बच्चों और परिवार के साथ गेवरा महाप्रबंधक कार्यालय के सामने अनिश्चित कालीन भूख हड़ताल पर बैठने की घोषणा की है। इसकी सूचना राज्यपाल और मुख्यमंत्री सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों को भी दे दी गई है। किसान सभा नेताओं ने कहा है कि पीड़ित परिवार के समर्थन में वे भी भूख हड़ताल में बैठेंगे। किसान सभा नेताओं ने अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों से पीड़ित सभी लोगों को इस हड़ताल में शामिल होने की अपील की है, ताकि सभी प्रकरणों को एक साथ उठाया जा सके।

51 वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह पर बालको में अनेक कार्यक्रम

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने 51वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। संयंत्र के एल्यूमिनियम भवन परिसर में आयोजित समारोह

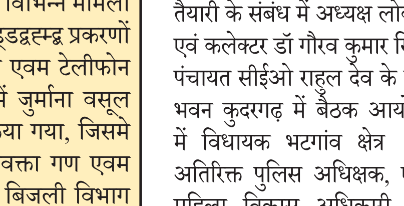

में बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक अभिजीत पति ने सुरक्षा ध्वज फहराया। बालको के अधिकारियों, कर्मचारियों और व्यवसाय के भागीदारों ने सुरक्षा शपथ ली। सुरक्षा कार्डिनल नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए संयंत्र की विभिन्न इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों ने सुरक्षा रैली निकाली। इस वर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की थीम है - ''सुरक्षा संस्कृति के विकास हेतु युवाओं को करें प्रोत्साहित।'' सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत ''सेफ्टीथॉन-रन फॉर सेफ्टी'' आयोजित किया गया जिसकी शुरुआतश्री पति ने हरी झंडी दिखाकर की। बड़ी संख्या में बालको अधिकारियों, कर्मचारियों, व्यवसाय के भागीदारों और उनके परिवारजनों ने आयोजन में हिस्सा लिया।

श्री पति ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सुरक्षित कार्य शैली के पालन की दिशा में बालको परिवार को सदस्यों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि 'शून्य क्षति' के दर्शन के अनुरूप कार्यस्थल को पूर्णत: सुरक्षित बनाने की दिशा में बालको निरंतर कार्यरत है। इसके लिए प्रत्येक कर्मचारी के सशक्तिकरण पर ध्यान दिया गया है ताकि वह कार्यस्थल पर किसी भी असुरक्षित गतिविधि को रोकने में अपना योगदान सुनिश्चित कर सके। पति ने कहा कि हम सभी शून्य सहनशीलता नियम तथा औद्योगिक स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण के कार्डिनल नियमों का अक्षरश: पालन करें। सुरक्षित कार्य शैली को हम अपने व्यवहार में लाएं तथा एकजुट होकर कार्य करते हुए हम शून्य क्षति का लक्ष्य प्राप्त करें।

बालको के व्यवसाय के साझीदारी एनजीएसएल के गुणवत्ता प्रबंधक बालकिशन द्यावनपल्ली और एलआईपीएल के साइट इंचार्ज राहुल दवे ने बताया कि बालको आयोजित सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में उनकी कंपनियों के कर्मचारी भागीदारी कर रहे हैं। कार्यस्थल को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से वह बालको के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। एनजीएसएल एवं एलआईपीएल प्रत्येक कार्य में सुरक्षा के मानदंडों के पालन के प्रति कटिबद्ध है। सेफ्टीथॉन की प्रतिभागी बालको महिला मंडल की सचिव सिमरन कौर ने बालको के आयोजन को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा प्रत्येक नागरिक के लिए महत्वपूर्ण है। हम सभी बालको के सुरक्षा प्रबंधन को बुलंदियों पर ले जाने के लिए एकजुट हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बॉडी के सदस्यों कृष्ण सी.जी.वर्मा, श्रीमती रेणुका श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर ने एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हमर में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्त, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

आवश्यकता

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ सामाजिक एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा पदाधिकारिक नियुक्तियां की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, बच्चों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विभिन्न एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उनके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में जागरूक किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु सभी को सहायता की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन उच्च पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुंचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समुचित सहायता की करेगा।
- संघ द्वारा सांस्कृतिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूल सिद्धांतों पर बल देगा एवं राष्ट्रीय मानवाधिकारों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करेगा।

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU